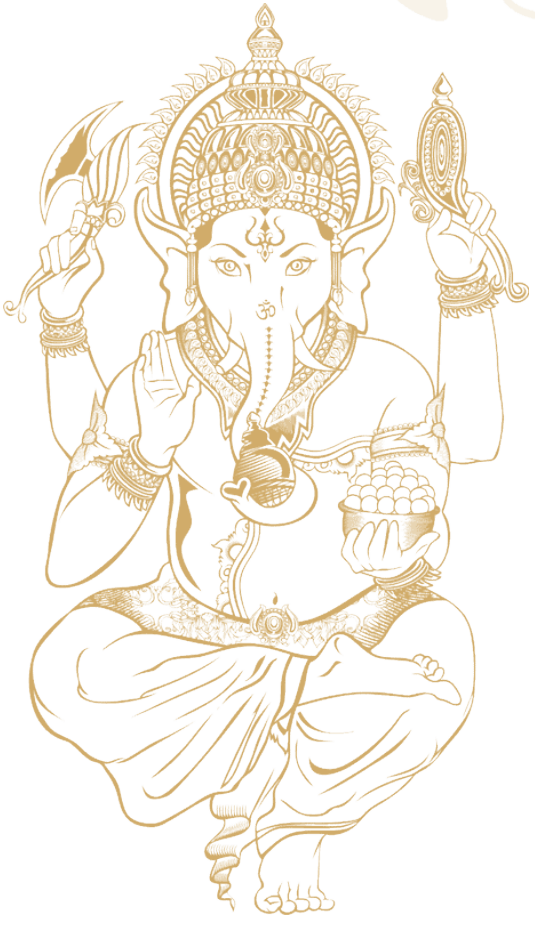

Yasvant kumar

10 Jul 1995

01:12 PM

Mudde Bihal

Model: web-freekundliweb

Order No: 121270607

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**10/07/1995**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**13:12:00 घंटे**
इष्ट	18:01:43 घटी
स्थान	**Mudde Bihal**
राज्य	Karnataka
देश	India

अक्षांश	16:20:00 उत्तर
रेखांश	76:10:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:25:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:46:40 घंटे
वेलान्तर	-00:05:14 घंटे
साम्पातिक काल	07:57:44 घंटे
सूर्योदय	05:59:18 घंटे
सूर्यास्त	19:01:41 घंटे
दिनमान	13:02:23 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	23:48:41 मिथुन
लग्न के अंश	04:25:32 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**ज्येष्ठा - 3**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	शुक्ल
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	मृग
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	यी-यीशू
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

Pt. Nagraj B Purohit
499 C Vod Aajad Gali Kolhapur
9423277977

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	04:25:32	340:33:04	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	---
सूर्य			मिथु	23:48:41	00:57:11	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	शनि	सम राशि
चंद्र			वृश्चि	23:36:22	15:01:40	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	नीच राशि
मंगल			सिंह	29:47:30	00:34:09	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	राहु	मित्र राशि
बुध			मिथु	05:34:16	01:37:32	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	चंद्र	स्वराशि
गुरु	व		वृश्चि	12:33:28	00:04:08	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	मंगल	मित्र राशि
शुक्र			मिथु	12:22:28	01:13:27	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	मित्र राशि
शनि	व		मीन	00:56:30	00:00:24	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	सम राशि
राहु	व		तुला	08:48:26	00:06:48	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	मित्र राशि
केतु	व		मेष	08:48:26	00:06:48	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	मित्र राशि
हर्ष	व		मक	05:09:05	00:02:20	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
नेप	व		मक	00:33:04	00:01:36	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	04:14:56	00:00:55	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	---
दशम भाव			कर्क	03:34:21	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:47:50

लग्न-चलित

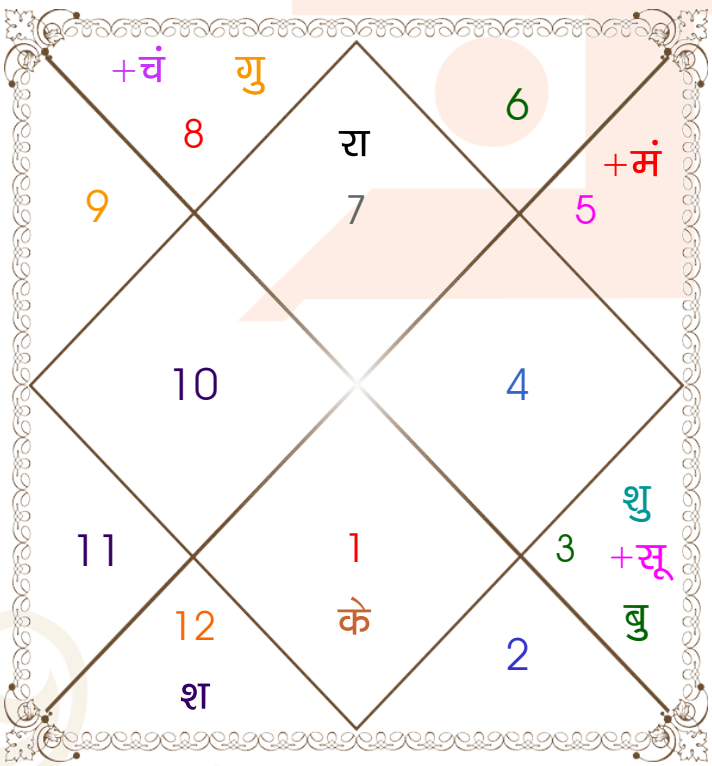

चन्द्र कुंडली

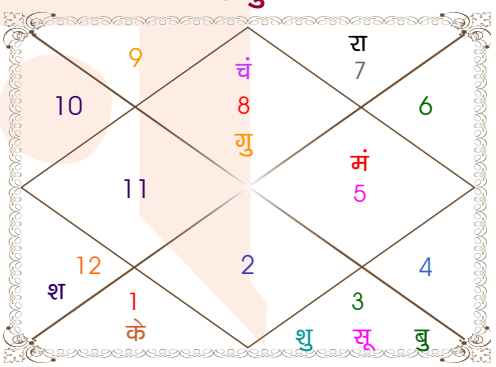

नवमांश कुंडली

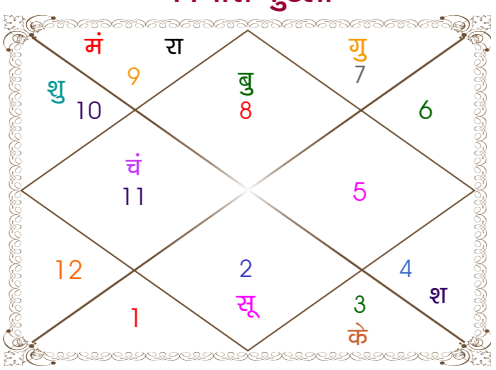

Pt. Nagraj B Purohit
499 C Vod Aajad Gali Kolhapur
9423277977

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 8 वर्ष 1 मास 25 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
10/07/1995		04/09/2003		03/09/2010		03/09/2030		03/09/2036	
04/09/2003		03/09/2010		03/09/2030		03/09/2036		03/09/2046	
	00/00/0000	केतु	31/01/2004	शुक्र	03/01/2014	सूर्य	22/12/2030	चंद्र	04/07/2037
	00/00/0000	शुक्र	01/04/2005	सूर्य	03/01/2015	चंद्र	23/06/2031	मंगल	02/02/2038
	00/00/0000	सूर्य	07/08/2005	चंद्र	03/09/2016	मंगल	28/10/2031	राहु	04/08/2039
	00/00/0000	चंद्र	08/03/2006	मंगल	03/11/2017	राहु	21/09/2032	गुरु	03/12/2040
	10/07/1995	मंगल	04/08/2006	राहु	03/11/2020	गुरु	10/07/2033	शनि	05/07/2042
मंगल	01/03/1996	राहु	23/08/2007	गुरु	05/07/2023	शनि	22/06/2034	बुध	04/12/2043
राहु	19/09/1998	गुरु	28/07/2008	शनि	03/09/2026	बुध	29/04/2035	केतु	04/07/2044
गुरु	25/12/2000	शनि	06/09/2009	बुध	04/07/2029	केतु	04/09/2035	शुक्र	05/03/2046
शनि	04/09/2003	बुध	03/09/2010	केतु	03/09/2030	शुक्र	03/09/2036	सूर्य	03/09/2046

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
03/09/2046		03/09/2053		04/09/2071		04/09/2087		04/09/2106	
03/09/2053		04/09/2071		04/09/2087		04/09/2106		00/00/0000	
मंगल	31/01/2047	राहु	16/05/2056	गुरु	22/10/2073	शनि	06/09/2090	बुध	31/01/2109
राहु	18/02/2048	गुरु	10/10/2058	शनि	04/05/2076	बुध	17/05/2093	केतु	28/01/2110
गुरु	24/01/2049	शनि	16/08/2061	बुध	10/08/2078	केतु	25/06/2094	शुक्र	28/11/2112
शनि	05/03/2050	बुध	04/03/2064	केतु	17/07/2079	शुक्र	25/08/2097	सूर्य	05/10/2113
बुध	02/03/2051	केतु	23/03/2065	शुक्र	17/03/2082	सूर्य	07/08/2098	चंद्र	06/03/2115
केतु	29/07/2051	शुक्र	23/03/2068	सूर्य	03/01/2083	चंद्र	08/03/2100	मंगल	11/07/2115
शुक्र	27/09/2052	सूर्य	14/02/2069	चंद्र	04/05/2084	मंगल	17/04/2101		00/00/0000
सूर्य	02/02/2053	चंद्र	16/08/2070	मंगल	10/04/2085	राहु	22/02/2104		00/00/0000
चंद्र	03/09/2053	मंगल	04/09/2071	राहु	04/09/2087	गुरु	04/09/2106		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 8 वर्ष 1 मा 15 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

Pt. Nagraj B Purohit
499 C Vod Aajad Gali Kolhapur
9423277977

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के चत्तुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं तुला द्रेष्काण भी उदित था। जो यह संकेत देता है कि आप सदैव मात्र विलासिता संबंधी विषयों के प्रति रुचिवान रहेंगे। मुख्यतः वासनात्मक विलास प्रियता आप में विद्यमान रहेगा। आप अपनी पत्नी के साथ आनंद प्राप्ति में अभिभूत रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप काम कला की उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु अथवा प्रसार हेतु प्रयत्नशील रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप कामसूत्र के विशेषज्ञ हो जाएं।

संप्रति यदि आपके लिए कार्य है तो वह कार्य घर से संबंधित है। आप अपने शयन कक्ष को अति आकर्षक बनाने के संबंध में सदैव चिंतित रहेंगे। आप अपनी पत्नी की प्रीति में पूर्ण समर्पित रहकर, पत्नी के आकर्षक के कारण एवं विलासिता संबंधी प्रसन्नता हेतु कुछ भी संभव उपाय करने के लिए सीमोलंघन भी कर सकते हैं। संप्रति आप अपनी संगिनी के प्रति अत्यन्त समर्पित हैं।

आप पूर्णरूपेण अश्वस्त होंगे कि आपको एक अच्छी जीवन संगिनी प्राप्त हुई है। आप अपनी पसंद तथा इच्छानुरूप मिथुन अथवा कुंभ राशि की जीवन संगिनी का चयन करें तथा कर्क, मकर एवं मीन जल तत्व राशि की संगिनी का त्याग करें। आपके लिए यह अनिवार्य है कि आपका घरेलू जीवन सुव्यवस्थित हो। यदि संयोगवश आप अपनी जीवन संगिनी के साथ समान तारतम्य नहीं रहा तो अप्रियता एवं दुःखद अनुभव करेंगे। इस प्रकार आपका पारिवारिक जीवन किसी संभावित घटना के कारण असंतुलित हो जाय तथा आपका संपर्क का परित्याग हो जाए। पुनः आप किस प्रकार गृह व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे।

आपके जीवन का अन्य रुचिकर विषय आपके मित्र से संबंध स्थापित करने का है। आपकी इच्छा रहती है कि आपके अच्छी मित्र मण्डली हो। जिसके सहयोग के लिए आप सतत कुछ भी करने के तत्पर रहेंगे। आपका अन्य पक्ष यह है कि आप अपने स्तर से अपने मित्रों को प्रस्तुत करेंगे। वास्तविकता तो यह है कि आपके दृष्टिकोण में ऐसा है कि ये मित्र आपके लिए पीठ की हड्डी अर्थात् रीढ़ की भांति प्रमाणित होंगे।

आपके जन्म संयोजन में चित्रा नक्षत्र एवं तुला जन्म लग्न के प्रभाव से आप अत्यंत ही लाभ एवं जीवन की सभी सुविधाओं से युक्त रहेंगे, परंतु वृश्चिक नवमांश के कुप्रभाव से जहां तक हो अड़चन बाधाओं से युक्त परिस्थिति भी हो सकती है। इस प्रकार की परिस्थिति अन्त में आपकी बाधाओं से मुठभेड़ करा सकती है जो आपके शारीरिक अंगों में रोग उत्पन्न करा कर आपकी समृद्धि में बाधक बन जाएं। अतएव आपके लिए अति अनिवार्य है आप गुप्त रोग जनित कार्य से विक्षिप्त प्रभाव के कारण यह संभाव्य है कि आपको मुंह छिपाना पड़े। अतः आप मंगलवार के दिन उपवास रहने का प्रयास करें-यह आपके स्वास्थ्य के लिए सहायक होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सक्रियता पूर्वक आप में यह क्षमता विद्यमान है कि आप अपनी शक्ति सम्पन्नता का अच्छा प्रभाव अपने गुणों के अनुसार किसी भी क्षेत्र में अनिवार्य रूप से सफलता प्राप्त कर सकते हैं। आप कठिन श्रम करने के लिए सुनिश्चित कर सम्पन्नता का

लाभांश यथा धन प्राप्ति के अतिरिक्त भूमि भवन का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

आपको इस प्रकार की आदतों का परित्याग कर सुख आराम की प्राप्ति हेतु व्यवसायिक प्रवृति से पृथक करना चाहिए। आपको प्रेम-प्रसंग हेतु आपने समय का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए।

आपको अपनी उन्नति हेतु सही तरीके से किस प्रकार सरकारी अधिकारी को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार का प्रभावशाली बातचीत कर सके। यह जानते हैं। आप अपने लिए कार्य व्यवसाय में ट्रांसपोर्टर का कार्य, औषधि का व्यवसाय एवं कांट्रेक्टर का कार्य कर सकते हैं।

आप किसी भी व्यक्ति के साथ संगठित हो कर अच्छी प्रकार मिलजुल कर साथियों के मध्य प्रख्यात हो जाते हैं। आप धैर्य पूर्वक विनोद प्रिय एवं आनंददायक बाते करके प्रसन्नता प्रदान करते हैं। इस प्रकार आप अपने स्वभाव को क्षति कर सकते हैं तथा जब किसी प्रकार की घटना क्रम में आप हिंसात्मक प्रवृति के हो जाते है। आप इस प्रकार की प्रवृति के प्रति शिक्षा ग्रहण कर विपरीत स्थिति के प्रति अपने में बदलाव करें। इस प्रकार की मनोवृति को रोकना उत्तम होगा। क्योंकि आपकी यह आदत हानिकारक है। आप अपने जीवन के इन तथ्यों पर विचार नहीं कर सके तो आपकी बहुत बड़ी क्षति होकर आपकी वृद्धावस्था आर्थिक रूप से प्रभावित हो जाएगा। आप इस प्रकार की समर्पित भावनाओं को नियंत्रित कर लें। इसलिए कि आप को अपना संपूर्ण जीवन आरामदायक ढंग से बिताना है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 1, 2, 4, 7 एवं 8 अंक उत्तम है। इसके अतिरिक्त अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक उपयुक्त नहीं है।

रंगों में आपके लिए हरा, पीला रंग, आपके लिए रूचि कर एवं व्यवस्थित रंग है। परंतु रंग सफेद लाल, नारंगी आपके लिए अनुकूल एवं शुभ है।